ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

अरब संस्कृति एवं इस्लामिक अध्ययन

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.examrace.com

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

With the fall of the Umayyads the glory of Syria passed away, its hegemony ended. The Syrians awoke too late to the realization that the centre of gravity in Islam had left their land and shifted eastward. The truly Arab period in the history of Islam had now passed and the first purely Arab phase of the Islamic empire began to move rapidly toward its close. The 'Abbasid' government called itself dawlah, new era, and a new era it was. The Iraqis felt freed from Syrian tutelage. The Shi'ites considered themselves avenged. The clients became emancipated. Al-Kufah, on the border of Persia, was made the new capital. Khurasanians formed the Caliphal bodyguard and Persians occupied the chief posts in the government. The original Arabian aristocracy was replaced by a hierarchy of officers drawn from the whole gamut of nationalities under the Caliphate. The old Arabian Muslims and the new foreign converts were beginning to coalesce and shade off into each other. Arabianism fell, but Islam continued, and under the guise of international Islam Iranianism marched triumphantly on.

"बनी उमय्या के शासन के समाप्त होने के साथ ही शाम देश की शानो शौकत एवं यश भी समाप्त हो गया और उन का वर्चस्व भी खत्म हो गया। सीरिया के लोगों को बहुत देर में यह समझ में आया कि इस्लाम धर्म का केन्द्र बिन्दु उन की धरती से खिसक कर पूर्वी क्षेत्रों में पहुँच गया। इस्लामी इतिहास का वास्तविक अरब युग अब समाप्त हो गया था और इस्लामी साम्राज्य का पहला चरण तेजी के साथ पतन की ओर बढ़ने लगा। अब्बासी इस को दौलह और नवीन युग कहने लगे और यह नवीन युग ही था। इराकी स्वयं को सीरिया की संरक्षणता से मुक्त महसूस करने लगे और शीआ समझते थे कि उन्होंने बदला चुका लिया मवाली को आजादी प्राप्त हो गई। कूफ़े को, जो ईरान के बार्डर पर स्थित था, नयी राजधानी बना दिया गया। खुरासानियों को खलीफा के विशेष बाडीगार्ड टुकड़ी में सम्मिलित किया गया और ईरानियों को शासन में बड़े बड़े पदों पर नियुक्त किया गया। शासन में अरब के खान्दानी सम्मानित लोगों के बजाये दूसरी नस्लों और खान्दानों के पदाधिकारी छा गये। पुराने अरब मुसलमान और अन्य नस्ल के नये मुसलमान आपस में इस प्रकार मिल गये कि उन के कोई रंग फीके पड़ गये। अरबियत समाप्त हो गयी परन्तु इस्लाम बाकी रहा और अन्तर्राष्ट्रीय इस्लाम के भेस में ईरानियत तेजी के साथ फलने फूलने लगी।"

www.examrace.com

1. Describe the glory of Syria under the Umayyads.

उमय्या शासन में सीरिया के यश और गौरव पर प्रकाश डालिये।

2. The Umayyad caliphate is considered as the truly Arab period in the history of Islam. Comment.

"इस्लामी इतिहास में उमय्या खिलाफत को अरबों का वास्तविक युग कहा जाता है।" व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

3. How did the Abbasids differ from the Umayyads ?

उमय्या परिवार के लोग अब्बासियों से किस प्रकार भिन्न हैं?

4. Why did the Shi'ites consider themselves avenged at the fall of the Umayyads ?

उमय्या परिवार के पतन पर शीओं ने क्यों यह समझा कि उन्हों ने बदला ले लिया।

www.examrace.com

5. "Under the Abbasids, Iranianism marched triumphantly on". Comment.
"अब्बासियों के अन्तर्गत इरानियों का बोलबाला रहा"– व्याख्या कीजिए।

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच–पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Describe the main deserts of the Arabian Peninsula.
अरब द्वीप के मुख्य रेगिस्तानों का वर्णन कीजिए।

www.examrace.com

7. Describe the circumstances under which prophet Muhammad migrated from Mecca to Madina.

हजरत मुहम्मद ने किन परिस्थितियों में मक्का से मदीना हिजरत की?

8. Describe the basic teachings of Islamic faith.

इस्लाम धर्म की मुलियादी शिक्षा का वर्णन कीजिए।

www.examrace.com

9. Give a brief account of the main achievements of Caliph Abu Bakr.

खलीफा अबूबक्र की मुख्य उपलब्धियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

10. Describe the main features of the institution of Khilafat.

खिलाफत संस्था की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

www.examrace.com

11. Describe the major causes that led to the downfall of the Umayyad rule.

उमवी शासन के पतन के कारणों का वर्णन कीजिए।

12. Write a note on the establishment of the Abbasid rule.

अब्बासी शासन की स्थापना पर नोट लिखिये।

www.examrace.com

13. Describe the main features of socio-cultural life under the Abbasids.

अब्बासी शासन काल में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन के मुख्य लक्षणों का वर्णन कीजिए।

14. Give an account of the compilation of the Quran.

कुरान के संकलन पर नोट लिखिए।

www.examrace.com

15. Evaluate the contribution of Abul Kalam Azad as a commentator on the Quran.

कुरान के टीका कार के रूप में अबुल कलाम आजाद के योगदान की समीक्षा कीजिए।

16. Give a brief account of economic teachings of the Quran.

कुरान की आर्थिक शिक्षा का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

www.examrace.com

17. Define Fiqh and describe its main sources.

फ़िक़्ह और उसके मुख्य स्रोतों का वर्णन कीजिए।

18. Why the Asharites are so called ?

अश्अरी समुदाय के लोगों को अश्अरी क्यों कहा जाता है? बताइये।

www.examrace.com

19. Write a note on the main features of Chishtiya Sufi order.

चिश्ती सूफी सिलसिला के मुख्य लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

20. Briefly describe your understanding of the term "Khawarij."

"ख़्वारिज" शब्द से क्या तात्पर्य है? संक्षेप में बताइए।

www.examrace.com

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प – I
(Islamic Studies) / (इस्लामी अध्ययन)

21. Discuss the contribution of Tablighi Jamat in the revival of Islam.
इस्लाम के पुनरुद्धार में तबलीगी जमात के योगदान पर चर्चा कीजिए।

22. Evaluate the contribution of Shah Waliullah as a socio-religious reformer.
शाह वलीउल्लाह के सामाजिक एवं धार्मिक सुधारक के रूप में योगदान की समीक्षा कीजिए।

23. Discuss the main achievements of Sir Syed Ahmad Khan as an educationist.
शिक्षा शास्त्रि के रुप में सर सैय्यद के योगदान पर चर्चा कीजिए।

24. Describe the main socio-religious trends in modern Iran.
आधुनिक ईरान में मुख्य सामाजिक एवं धार्मिक विचार धारा का वर्णन कीजिए।

25. Give an account of the religious thought of Allama Iqbal.
अल्लामा इकबाल के धार्मिक विचारों की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II
(Arab Culture) / (अरब संस्कृति)

21. Give a brief account of the impact of Western Civilization on the contemporary Arab World.
समकालीन अरब जगत पर पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

22. "Al-Biruni was the greatest Indologist of his time". Elaborate
"अलबेरूनी अपने समय में सर्वश्रेष्ठ भारतीय विद्या-शास्त्री था। वर्णन कीजिए।

23. Give an account of the image of India as depicted in Arab writings.
अरबों की रचनाओं में भारत की रूपरेखा किस प्रकार प्रतिबिम्बित होती है। वर्णन कीजिए।

24. Write a note on Indian Origins of the Arab scientific legacy.
अरबों की वैज्ञानिक सम्पदा में भारत का योगदान बताइये।

25. Give an account of contemporary Indo-Arab commercial relations.
समकालीन भारत-अरब व्यापारिक सम्बन्धों का उल्लेख कीजिए।

www.examrace.com

SECTION - IV
खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Write an essay on the role of Salahuddin Ayyubi as liberator of Syria and Palestine.
शाम और फिलिस्तीन को आजाद कराने में सलाहुद्दीन अय्यूबी के योगदान पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on Indo-Arab political relations during the last 50 (fifty) years.
पिछले पचास वर्षों में अरब व भारत के बीच राजनीतिक संबंधों पर एक निबन्ध लिखिए।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....

www.examrace.com